साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 153 | जौनपुर, बुधवार, 28 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चुनाव की घोषणा के पहले कभी भी लागू हो सकता है सीएए

नई दिल्ली, एजेंसी। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) 2024 के लोकसभा चुनावों के ऐलान के पहले कभी भी लागू हो सकता है। आवेदन और नागरिकता देने की प्रक्रिया आनलाइन होगी और इसके लिए पोर्टल बन कर तैयार हो गया है। सीएए के जुड़े नियमों को अधिसूचित करते ही पोर्टल को चालू कर दिया जाएगा। ध्यान देने की बात है कि गृहमंत्री अमित शाह ने बार–बार सीएए को लागू करने का ऐलान कर रहे हैं। सीएए के तहत अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश से 31 दिसंबर 2014 के पहले आने वाले छह अल्पसंख्यकों (हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी) को भारत की नागरिकता देने का प्रविधान है। इसके लिए इन तीन देशों से आए विस्थापितों को कोई दस्तावेज देने की भी जरूरत नहीं है। इन देशों से आने वाले विस्थापितों को सिर्फ पोर्टल पर आनलाइन आवेदन करना होगा और गृहमंत्रालय इसकी जांच कर नागरिकता जारी कर देगा। दरअसल नागरिकता देने का अधिकार पूरी तरह से केंद्र सरकार के पास है। 2019 में शीतकालीन सत्र के दौरान संसद से सीएए कानूनों के पास होने के बाद इसका विरोध शुरू हो गया था। शाहीन बाग व अन्य स्थानों पर कई महीनों तक प्रदर्शनकारी डटे रहे थे।

केजरीवाल को जारी किया 8वां समन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने आठवां समन जारी किया है। ईडी ने केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले में चार मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। केजरीवाल लगातार ईडी के समन से दूरी बनाते रहे हैं। इससे पहले धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए थे। इसी के बात से केजरीवाल को आठवां समन जारी किया गया है। केजरीवाल ने कहा कि अगर अदालत इस संबंध में आदेश देगी तो वह ईडी के समक्ष पेश होंगे। समन पर केजरीवाल के पेश नहीं होने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शहर की एक अदालत का रुख किया, जिस पर अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को 16 मार्च को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है। केजरीवाल अब तक एक भी समन के अनुपालन में एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए हैं और उन्होंने इन समन को "अवैध" करार दिया है। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय को भी पत्र लिखकर ये समन वापस लेने की मांग की थी।

राजकीय महाविद्यालयों में 1.71 करोड़ रुपये से खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगी योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में ग्रास रूट लेवल पर खेलों को बढ़ावा दे रही योगी सरकार अब महाविद्यालयों में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर वहां भी

खिलाड़ियों को तैयार करने में जुट गई है। इसके लिए सरकार ने मेजर ध्यानचंद मिशन के तहत राजकीय महाविद्यायलों में खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 1.71 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस राशि को 31 मार्च 2024 तक किया जाना अनिवार्य होगा। इस राशि से खेलकूद से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्य कराए जाएंगे, ताकि महाविद्यालयों में आने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिए कहीं अन्य जगह भटकना न पड़े। प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर के राजकीय महाविद्यालयों में खिलाड़ियों को तैयार किए जाने की योजना है। साथ ही, पहले से जो खिलाड़ी महाविद्यालयों में अध्ययनरत हैं उन्हें खेल का इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इसी क्रम में शासन स्तर पर कुल 171 राजकीय महाविद्यालयों में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए प्राविधानित बजट 1.72 करोड़ के सापेक्ष 1.71 करोड़ की राशि जारी की जा रही है। इसके तहत प्रत्येक राजकीय महा विद्यालय को एक लाख रुपए मुहैया कराए जाएंगे, ताकि वो अपने यहां आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर सकें। इसके माध्यम से खिलाड़ी महाविद्यालय में अध्ययन के साथ–साथ अपने पसंदीदा खेलों में करियर बनाने की संभावनाओं को भी मूर्त रूप दे सकेंगे। महाविद्यालय इस राशि से खेल से संबंधित नए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर सकेंगे। इसमें विभिन्न खेलों से संबंधित कोर्ट, टर्फ आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्वीकृत की जा रही धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आरटी जीएस के माध्यम से निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराने में वित्त विभाग के द्वारा निर्धारित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस राशि का उपयोग हर हाल में 31 मार्च 2024 तक किया जाना है। स्वीकृत राशि बैंक खाते में नहीं रखी जाएगी।

देश के भविष्य की दुश्मन बन गई है मोदी सरकार – राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पेपर लीक रोकने में विफलता को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और उस पर देश के भविष्य का दुश्मन बनने का आरोप भी लगाया। उन्होंने आगे सरकार पर नौकरी पैदा करने वाले संस्थानों को अपने दोस्तों को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने एक एक्स पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार 'देश के भविष्य' की दुश्मन बन गई है! कहीं भर्ती के लिए तरसते छात्र, कहीं पेपर लीक से हताश छात्र, कहीं नियुक्ति के लिए कोर्ट का चक्कर काटते छात्र तो कहीं आवाज उठाने पर लाठियों की मार सहते छात्र। आरओ–एआरओ से लेकर पुलिस भर्ती तक और रेलवे से लेकर सेना तक एक भी परीक्षा न्यायपूर्ण ढंग से करा पाने में नाकाम भाजपा सरकार अपना गुस्सा युवाओं पर निकाल रही है। राहुल ने आगे लिखा कि नौकरी पैदा करने वाले संस्थान अपने मित्रों को बेच कर युवाओं को ठेके पर रखना, मोदी की पॉलिसी है और शोषण मोदी की गारंटी। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार छात्रों और उनके परिवारों के सपनों पर लगा ग्रहण है

जिसने उनसे उम्मीदों की रौशनी छीनी है। इस अपराध के लिए इतिहास नरेंद्र मोदी को कभी माफ नहीं करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार (24 फरवरी) को 17 और 18 फरवरी को राज्य भर में आयोजित पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा रद्द कर दी, क्योंकि परीक्षा का पेपर कथित तौर पर लीक हो गया था। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने परीक्षा का आयोजन किया था। इससे पहले, राजस्थान में शिक्षक भर्ती परीक्षा, हरियाणा में ग्रुप–डी पदों के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी), गुजरात में कनिष्ठ क्लर्कों के लिए भर्ती परीक्षा और बिहार में कांस्टेबल भर्ती परीक्षा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की एक श्रृंखला को प्रश्नपत्र लीक के बाद रद्द कर दिए गए थे।

संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए विपक्ष ने उत्तर-दक्षिण को बांटा - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा सिर्फ उत्तर केंद्रित पार्टी नहीं है और उत्तर–दक्षिण के बीच रेखा विपक्ष ने संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए खींची है। उन्होंने कहा कि पार्टी को बदनाम करने के ऐसे प्रयास राष्ट्रीय अखंडता पर सवालिया निशान लगाते हैं। आंध्र प्रदेश में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलनों में राजनाथ ने कहा, भाजपा विभिन्न राज्यों की सत्ता में रही है जिनमें दक्षिणी राज्य कर्नाटक शामिल है। अक्सर आरोप लगाया जाता है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारत की पार्टी है या भाजपा सिर्फ हिंदी पट्टी की पार्टी है, लेकिन भाजपा ने असम में दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है। असम हिंदी पट्टी का राज्य नहीं है।

अपनी पार्टी के बारे में ये कहा

पार्टी राजस्थान और गुजरात जैसे पश्चिमी राज्यों में लगभग तीन–चार दशकों से प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रही है और पिछले लोकसभा चुनावों में पश्चिम भारत में उसे अधिकतम सीटें प्राप्त हुई थीं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, 'गुजरात में 30 वर्षों से हमारी सरकार है। कर्नाटक में लंबे समय तक हमारी सरकार रही। वर्तमान में हम बंगाल, ओडिशा व कर्नाटक में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु व केरल में हमारा मत प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। इसलिए यह कहना तथ्यात्मक रूप से बिल्कुल गलत है कि भाजपा सिर्फ उत्तर भारतीयों की पार्टी है। राजनाथ

ने कहा, 'दक्षिण भारत की समृद्धता के आंकड़े दिखाकर हमारे विपक्ष के सहयोगी कई बार उत्तर व दक्षिण भारतीयों के बीच विद्वेष दिखाने का प्रयास करते हैं।'

भाजपा है दुनिया की सबसे बड़ी पंथनिरपेक्ष पार्टी– राजनाथ

उन्होंने कहा कि उत्तर व दक्षिण भारत में कुछ विभिन्न ढांचागत मुद्दे हैं और हमारे प्रयास दोनों को साथ लाकर कुछ अच्छा और बढ़ा करने का होना चाहिए। हमारा प्रयास दोनों को और ज्यादा जोड़ने का होना चाहिए, न कि दोनों को भाषा एवं समृद्धता के नाम पर तोड़ने का। रक्षा मंत्री ने कहा, 'कुछ लोग भाजपा पर सांप्रदायिक पार्टी होने का आरोप लगाते हैं, जबकि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पंथनिरपेक्ष पार्टी है। पांच अरब देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है और भारत अब कमजोर देश नहीं है। यह अब दुनिया में एक ताकतवर देश बन गया है। अब अगर कोई भारत को आंख दिखाएगा तो उसे जवाब देने में देश पीछे नहीं रहेगा। अब कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी मानते हैं कि 21वीं सदी भारत की होने जा रही है।

पीएम मोदी की सरहाना की

राजनाथ ने कहा, 'विदेश में प्रधानमंत्री मोदी की इतनी साख है कि कतर में मौत की सजा पाए आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों को माफ कर दिया गया और उनमें से एक विशाखापत्तनम से है।' राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवाद की जननी है। जबकि भाजपा ने इस देश की राजनीति में विश्वसनीयता के संकट को खत्म किया है।

सीएए पर ये बोले राजनाथ

उन्होंने कहा, 'हम जो कहते हैं, वो करते हैं। हमने अनुच्छेद–370 को खत्म करने का वादा किया था और हमने किया। हमने तत्काल तीन तलाक की कुप्रथा को खत्म करने का वादा किया था, हमने वह भी किया। हमने समान नागरिक संहिता के बारे बात की। आज उत्तराखंड की भाजपा सरकार इसे लागू कर चुकी है।' राजनाथ ने भाजपा और अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों के बीच अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि अंतर अल्पावधि और दीर्घावधि का है। भाजपा दीर्घावधि और दीर्घावधि लाभ को प्राथमिकता देती है। देश की आर्थिक प्रगति में वृद्धि के लिए मोदी सरकार उठाए गए विभिन्न कदमों को भी गिनाया।

हर तरफ मेरे तीसरे कार्यकाल की हो रही चर्चा - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केरल के लोगों में एक नया उत्साह है। 2019 में केरल के लोगों के दिलों में जो उम्मीद उभरी थी, वह अब 2024 में उनका विश्वास बन गई है। उन्होंन कहा कि 2019 में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को केरल में दोहरे अंक में वोट मिले। ऐसा लग रहा है कि 2024 में केरल ने दोहरे अंक में इसीटेंश देने का फैसला कर लिया है। कुछ महीनों बाद क्या होने वाला है, यह अब कोई रहस्य नहीं रह गया है। 2019 में, शहर में चर्चा थी फिर एक बार, मोदी सरकार 2024 में हर तरफ चर्चा का विषय है अबकी बार, 400 पार नरेंद्र मोदी ने कहा कि विपक्ष ने आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है। उसके पास भारत के विकास का कोई रोडमैप नहीं है। इसका केवल एक ही एजेंडा है– मोदी को श्राप दो। केरल ऐसे लोगों के साथ कभी खड़ा नहीं होगा। केरल भाजपा और एनडीए को आशीर्वाद देगा। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मोदी आपकी आकांक्षाओं और सपनों को हकीकत में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। और, ये है मोदी की गारंटी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी भी भारत के किसी भी राज्य को वोट बैंक की नजर से नहीं देखा। जब केरल में भाजपा मजबूत नहीं थी, तब भी हमने केरल को सशक्त बनाने के लिए दिन–रात काम किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में विकास का उतना ही लाभ केरल को मिला है जितना भाजपा शासित राज्यों को मिला है। उन्होंने कहा कि हर कोई मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के बारे में बात कर रहा है। हमारे तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। ये है मोदी की गारंटी। हमारे तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी लड़ाई और अधिक परिभाषित होने जा रही है। यूडीएफ ने केरल में शिक्षा प्रणाली के साथ क्या किया है। केरल के गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के दौरान किस संघर्ष का सामना करना पड़ता है।

राष्ट्रपति पांच मार्च को देंगी पहले पेयजल स्वच्छता के अवॉर्ड, उत्कृष्ट करने वाले राज्य और शहर होंगे सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पहली बार शहरों में पेयजल सर्वेक्षण अवॉर्ड दिए जाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पांच मार्च को उन राज्यों और शहरों को सम्मानित करेंगी जिन्होंने पेयजल की आपूर्ति में उल्लेखनीय कार्य किया है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पेयजल के मामले में अलग–अलग क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर कुल 130 अवॉर्ड दिए जाएंगे। कई राज्यों और शहरों ने अपने निवासियों को स्वच्छ और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल जल संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में अहम पहल की है। उनके कार्यों को सम्मानित करना जरूरी है।

इन कसौटियों में दिए जाएंगे पुरस्कार

मंत्रालय के अनुसार जिन कसौटियों में ये पुरस्कार दिए जाएंगे, उनमें सर्वश्रेष्ठ जलाशय, जल की गुणवत्ता, शहर में अधिकतम कवरेज, पानी का सबसे अच्छा फिर से इस्तेमाल, पर्यावरण हितैषी सर्वश्रेष्ठ पहल और अमृत 2.0 रोटेटिंग ट्राफी शामिल है।

कसौटियों में भी कई श्रेणियां होंगी

इन कसौटियों में भी कई श्रेणियां होंगी, जैसे पेयजल स्वर्ण, रजत और कांस्य अवॉर्ड। स्वर्ण स्वाभाविक रूप से शीर्ष प्रदर्शनकर्ता को मिलेगा, लेकिन शहरों को आबादी के लिहाज से अलग–अलग श्रेणी में रखा जाएगा। मसलन एक से दस लाख, दस से 40 लाख और 40 लाख से अधिक। इसी पुरस्कार समारोह में अमृत मित्र पहल की शुरुआत भी की जाएगी।

स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किसानों को एमएसपी दे केंद्र सरकार – अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने मांग की है कि केंद्र सरकार को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने की घोषणा करनी चाहिए। गहलोत ने एक्स पर लिखा,"राजग सरकार को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक किसानों को एमएसपी देने की घोषणा अविलम्ब करनी चाहिए तब जाकर उनको दिए गए भारत रत्न का सम्मान है। गहलोत के अनुसार एम एस स्वामीनाथन की पुत्री डॉ. मधुरा स्वामीनाथन ने भी कहा है कि सरकार को किसानों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करने की बजाय उनकी बात सुननी चाहिए और उन्हें साथ लेकर चलना चाहिए। गहलोत ने लिखा, "संप्रग सरकार ने अपने कार्यकाल में स्वामीनाथन आयोग की 201 में से 175 सिफारिशें लागू कर दी थीं एवं बाकी पर काम जारी था। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व अध्यक्ष

राहुल गांधी ने गारंटी दी है कि केंद्र में कांग्रेस के सत्ता में आने पर कानून बनाकर किसानों को एमएसपी की गारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही गहलोत ने दिल्ली–जयपुर राजमार्ग पर लगने वाले जाम का परेशानी एवं वाहन चालकों को घंटों तक जाम का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वादे तो सभी मंत्रियों ने किए परन्तु पता नहीं किस स्तर पर लापरवाही हो रही है। उनका कहना था। भी मुद्दा उठाया है। एक अन्य बयान में उन्होंने कहा कि एनएच–48 दिल्ली–जयपुर राजमार्ग परंपरागत रूट है तथा पिछले लगभग 15 वर्ष से इस राजमार्ग पर जनता को भारी

विवाह अधिनियम निरस्त होने से तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को मिलेगा न्याय, सीएम हिमंत ने की घोषणा

असम, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 के तहत तलाक लेने वाली महिलाएं गुजारा भत्ते की हकदार नहीं हैं। अधिनियम को निरस्त करने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले के बाद मुस्लिम महिलाओं पर अत्याचार समाप्त हो जाएगा और वे अदालत के आदेश के अनुसार गुजारा भत्ता प्राप्त कर सकेंगी। सरमा ने कहा कि अधिनियम के तहत काजी को शादी को पंजीकृत करने का अधिकार था और वह तलाक भी दिला सकता था। हालांकि अब काजी तलाक की अनुमति देता है तो महिला को कुछ नहीं मिलता है लेकिन यदि कोर्ट तलाक की अनुमति देती है तो तो पूर्व पति को महिला को गुजारा भत्ता देना होगा।

माताओं पर हो रहा अत्याचार अब बंद होगा – सीएम

उन्होंने अधिनियम को रद्द करने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी माताओं पर हो रहा अत्याचार अब बंद हो जाएगा। सरमा ने कहा कि यह कानून खत्म होने पर तलाक मुश्किल हो जाएगा और कम उम्र की लड़कियों के विवाह का पंजीकरण नहीं हो सकेगा।

असम में 14 में से 11 सीटों पर जीतेगी भाजपा

मुख्यमंत्री सरमा ने मंगलवार को विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में भाजपा 14 लोकसभा सीटों में से 11 पर जीतेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में 12वीं सीट सुरक्षित करने का प्रयास करेगी। माजुली में आयोजित कार्यक्रम से इतर सरमा ने कहा कि मैं उम्मीदवारों के नाम जानने का इच्छुक नहीं हूं। लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए मतदान करेंगे।

कांग्रेस के साथ चंद मुस्लिम विधायक ही रह जाएंगे

वहीं बिश्वनाथ जिले में सरमा ने टिप्पणी की कि 2026 के विधानसभा चुनाव आने तक कांग्रेस में विधायक रकीबुल हुसैन, रेकीबुद्दीन अहमद, जाकिर हुसैन सिकंदर, नुरुल हुदा जैसे चंद मुस्लिम विधायक ही रह जाएंगे। हाल ही में कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले कांग्रेस नेता राणा गोस्वामी के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर सरमा ने कहा कि वह कांग्रेस के शक्तिशाली नेता हैं और भाजपा में शामिल होने पर मैं उनका स्वागत करूंगा।

संपादकीय

हरे–भरे गांव में फैल रही गंदगी

लोग कचरे को गधेरों (नहर) में फेंक देते हैं और फिर उस कचरे को कुत्ते घरों में लेकर आते हैं. कई बार तो इस्तेमाल किये गए पैड को भी गधेरों में फेंका जाता है. जिससे बहुत ज्यादा दुर्गंध आती है. कुत्ते कचरे के साथ उस पैड को भी इधर उधर फैला देते हैं अथवा घरों में ले आते हैं. जिससे बहुत ज्यादा मच्छर और दुर्गंध फैलती है. यह कहना है 45 वर्षीय कलावती देवी का. जो उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ ब्लॉक के पिंगलो गांव की रहने वाली है. कलावती देवी कहती हैं हमारे गांव में बिल्कुल भी स्वच्छता और साफ सफाई के प्रति लोग जागरूक नहीं हैं. ऐसा नहीं है कि प्रशासन स्वच्छता के प्रति सजग नहीं है, लेकिन सरकार या प्रशासन द्वारा कितने भी सफाई अभियान चलाए जाएं जब तक लोग खुद अपने घर के आसपास साफ सफाई नहीं रखेंगे, तब तक गांव में किसी भी प्रकार के सफाई अभियान का कोई लाभ नजर नहीं आएगा.ृ वास्तव में ग्रामीण क्षेत्र अपनी सुंदरता और अपनी हरियाली के लिए जाना जाता है. जहां प्रकृति की सौंदर्यता नजर आती है। जहां का वातावरण साफ रहता है. परंतु पिंगलो गांव में सफाई न होने के कारण वातावरण लगातार दूषित हो रहा है. गरुड़ ब्लॉक से करीब 22 किमी दूर यह गांव पहाड़ की गोद में बसा है। उच्च जाति की बहुलता वाले इस गांव की आबादी 1950 है और साक्षरता दर करीब 85 प्रतिशत है. इसके बावजूद इस गांव में स्वच्छता के प्रति लोग विशेष रूप से जागरूक नजर नहीं आते हैं. गांव में कूड़ा डालने के लिए डस्टबिन भी उपलब्ध नहीं है. जिस कारण लोग घर के कूड़े को गधेरों में डाल देते हैं. इस संबंध में गांव की एक 32 वर्षीय महिला उषा देवी कहती हैं कि ष्हमारे गांव में बहुत गंदगी है और स्वच्छता की कोई उचित व्यवस्था नहीं है. लोग नदी और गधेरों में कूड़ा फैला देते हैं जिससे पीने का पानी गंदा हो जाता है. यहां तक कि जानवरों के लिए भी वह पानी पीने लायक नहीं रहता है. यदि कोई मवेशी उस पानी को पीता है तो उसकी तबीयत खराब हो जाती है.ृ उषा देवी यह मानती हैं कि यह कचरा स्वयं गाँव वालों द्वारा फैलाया जाता है। उनमें स्वच्छता के प्रति जागरूकता की कमी होने के कारण वह साफ सफाई के महत्त्व से अनजान हैं. ।कअमतजपेमउमदज वहीं गांव की 28 वर्षीय चांदनी का कहना है कि ष्हमारे गांव में कचरे के निस्तारण की कोई उचित सुविधा नहीं है. जिस कारण लोग इधर उधर कचरा फैला देते हैं. लोग बोलते तो हैं कि गड्ढे बनाएंगे फिर उसमे कचरा डालेंगे, लेकिन कोई ऐसा नहीं करता है. जिसकी वजह से पूरे गांव का वातावरण दूषित हो रहा है और लोग विशेषकर बच्चे बीमारियों का शिकार हो रहे हैं. जहां तहां कचरे की वजह से हवा में दुर्गंध फैली रहती है. यदि सरकार और पंचायत इस ओर ध्यान नहीं देगा तो बहुत जल्द गांव में बीमारी का प्रकोप बढ़ जाएगा.ृ वहीं 22 वर्षीय किशोरी सपना खाती कहती है कि षपिंगलो गांव में दूषित होते वातावरण के लिए प्रशासन, पंचायत और ग्रामीण सभी समान रूप से जिम्मेदार हैं. यदि कचरे के निस्तारण की उचित व्यवस्था नहीं है तो लोगों में भी स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता नहीं है. वह भी जहां तहां कूड़ा फेंक देते हैं. गांव में एक कूड़ेदान है भी तो वह घरों के आसपास नहीं बल्कि दूर रोड पर है, जहां केवल दुकान वाले ही कूड़ा डालते हैं. गांव में ऐसी कोई सुविधा नहीं है जिससे कूड़े को एक जगह फेंका जा सके. हम चाहते हैं कि अगर गांव के बीचो बीच एक कूड़ेदान बनाया जाए तो यह संभव हो सकता है कि थोड़ी साफ सफाई हो पाए, पर अभी तक ऐसा नहीं हुआ है.ृ हालांकि ग्रामीणों के कथन से विपरीत पिंगलो के ग्राम प्रधान पान सिंह खाती का कहना है कि पंचायत द्वारा पूरे गांव में छोटे छोटे कूड़ेदान बांटे गए हैं लेकिन गांव के लोग उसमें कूड़ा नही डालते हैं और अपने आसपास के स्थानों में कूड़ा फेंक देते हैं जिस वजह से गंदगी ज्यादा फैलती है। वही कूड़ा फिर कुत्ते और पालतू जानवरों द्वारा इधर–उधर फैला दिया जाता है। जिस वजह से और अधिक गंदगी फैल जाती है। वह कहते हैं कि इस समस्या का समाधान केवल जागरूकता है। प्रशासन या पंचायत कोई भी व्यवस्था कर ले, यदि लोग स्वच्छता के प्रति स्वयं जब तक जागरूक नहीं होंगे, उस समय तक कोई भी व्यवस्था कारगर सिद्ध नहीं हो सकती है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रैंडी कहती हैं कि स्वच्छता एक ऐसा विषय है, जिसे कानून द्वारा अमल में नहीं लाया जा सकता है। यह केवल लोगों की साफ सफाई के प्रति सजगता पर निर्भर करता है। जब तक ग्रामीण स्वयं इसके महत्व को नहीं समझेंगे उस समय तक इस समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है। ज्ञात हो कि पूरे देश को कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से 02 अक्टूबर 2014 में केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया है। यह राष्ट्रीय स्तर का एक अभियान है जिसका उद्देश्य न केवल सड़कों बल्कि गली गली को साफ सुथरा बनाना है। इस अभियान ने शहरों से लेकर गाँव तक को कचरा और प्रदूषण मुक्त बनाने का काम किया है। पिछले करीब नौ वर्षों में इस अभियान ने न केवल देश को स्वच्छ बनाने का काम किया है बल्कि इससे स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता भी फैली है। इसके बावजूद यदि पिंगलों जैसे गाँव में यह अभियान सफल होता नजर नहीं आता है तो केवल प्रशासन और पंचायत ही नहीं बल्कि सामाजिक स्तर पर भी इसके लिए गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है क्योंकि स्वच्छ और हरे भरे गांव से ही स्वच्छ भारत का उद्देश्य सफल हो सकता है।

राष्ट्रीय एकता के लिए वीर सावरकर का दृष्टिकोण

डा. अमरीक

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वीर सावरकर ने अपने बहुमुखी योगदान से राष्ट्र के इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी। हिंदुत्व की अवधारणा को व्यक्त करने से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व वाली आजाद हिंद सेना में उनकी भूमिका तक, सावरकर का जीवन और विचारधारा राष्ट्रवाद, स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन पर चर्चाओं को प्रेरित और उत्तेजित करते रहे हैं। सावरकर ने हिंदुत्व को भारत के इतिहास में विदेशी हमलों, उपनिवेशवाद और धार्मिक रूपांतरणों से उत्पन्न चुनौतियों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा। उन्होंने हिंदुओं को अपनी सांस्कृतिक पहचान पर जोर देने और सांस्कृतिक एकरूपता या हाशिए पर धकेलने के प्रयासों का विरोध करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सावरकर के हिंदुत्व ने हिंदुओं के बीच गर्व और आत्मविश्वास पैदा करने की कोशिश की, जिससे उन्हें अपने जीवन के तरीके के लिए आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाया गया। 'विनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति।' वैसे तो रामचरितमानस की यह चौपाई तब की है जब लंका पर चढ़ाई करने जा रहे भगवान राम समुद्र से लंका जाने के लिए मार्ग देने का आग्रह कर रहे थे। लेकिन स्वतंत्रता संग्राम की परिस्थिति में यह नेताजी सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के प्रेरणास्रोत स्वातंर्त्यवीर वीर सावरकर इतिहास के सचेत अध्ययन से वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि युद्ध के बिना स्वाधीनता संभव नहीं पर बखूबी फिट बैठती है। स्वातंर्त्यवीर वीर सावरकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिंद फौज के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने रण की संकल्पना का ब्लूप्रिंट भी तैयार किया। बाद में इसी के आधार पर आजाद हिंद फौज का गठन हुआ। जब हम आजाद हिंद फौज की चर्चा करते हैं तो बात नेताजी सुभाषचंद्र बोस से आरंभ होकर रासबिहारी बोस तक आकर रुक जाती है। इस सेना के निर्माण में जिनकी बुनियादी भूमिका रही, कृतिशील सहयोग रहा, उन वीर सावरकर को हम सहसा भूल जाते हैं। उनका रोम–रोम राष्ट्र को समर्पित था। वे अखंड भारत के पैरोकार व पक्षधर थे। उन्होंने अपनी प्रखर मेधा शक्ति, तार्किक–तथ्यात्मक विवेचना के बल पर 1857 के विद्रोह को 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' की संज्ञा दिलवाई। उनके अनुसार कानून की दृष्टि में सभी नागरिकों को समान होना चाहिए। न किसी की उपेक्षा, न किसी को विशेषाधिकार। जो भी भारतवर्ष को अपनी पुण्यभूमि –पितृभूमि मानता हो, वह भारतवासी है। संपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन में सावरकर जैसी प्रखरता, तार्किकता एवं तेजस्विता अन्यत्र कम ही दिखाई पड़ती है। लोकमान्य तिलक के प्रयासों से उन्हें श्याम जी कृष्ण वर्मा छात्रवृत्ति मिली और वे वकालत की पढ़ाई के लिए भारत से लंदन गए। लंदन में भी उन्होंने फ्री इंडिया सोसाइटी का गठन कर संपूर्ण भारतवर्ष से अध्ययन के लिए वहां पहुंचने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बीच भारत की स्वतंत्रता हेतु प्रयास जारी रखा। ब्रिटिश दस्तावेजों को खंगाल उन्होंने '1857 का स्वातंर्त्य समर' नामक महत्त्वपूर्ण एवं शोधपरक पुस्तक लिखी। यह दुनिया की पहली ऐसी पुस्तक थी जिसे ब्रिटिश सरकार ने प्रकाशित होने से पूर्व ही प्रतिबंधित कर दिया। कुछ राजनीतिक दलों एवं विचारधाराओं ने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए उनके माफीनामे के रूप में प्रचारित कर उनकी छवि को चोट पहुंचाने की चेष्टा की। सत्य कुछ भिन्न एवं इतर होने के बावजूद, राजनीतिक क्षेत्र में आरोप लगाओ और भाग जाओ की प्रवृत्ति प्रचलित रही है। उसके लिए आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने का आदर्श कोई सामने नहीं रखता। क्या उन आरोपों को तर्कों एवं तथ्यों की कसौटी पर नहीं कसा जाना चाहिए? वीर सावरकर के विचारों के अनुसार हिंदुत्व का अर्थ है प्रत्येक व्यक्ति जो सिन्धु से समुद्र तक फैली भारतभूमि को साधिकार अपनी पितृभूमि एवं पुण्यभूमि मानता है, वह हिन्दू है। सावरकर सभी भारतीय धर्मों को शब्द 'हिन्दुत्व' में शामिल करते हैं तथा हिन्दू राष्ट्र का अपना दृष्टिकोण पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैले अखण्ड भारत के रूप में प्रस्तुत करते हैं। भारतीय राष्ट्रवादी इतिहास में स्वातंर्त्यवीर सावरकर पहले भारतीय थे जिन्होंने पूर्ण स्वतन्त्रता की मांग की। वे भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सन् 1857 की लड़ाई को भारत का प्रथम स्वाधीनता संग्राम बताते हुए 1907 में लगभग एक हजार पृष्ठों का इतिहास लिखा। 1899 में, जब वे केवल 16 वर्ष के थे, सावरकर ने मित्र मेला नामक एक समूह का गठन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत की पूर्ण राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना था। बाद में समूह का नाम बदलकर अभिनव भारत कर दिया गया। 1906 में सावरकर लंदन चले गए और वहां भी अपना मिशन जारी रखा। स्वातंर्त्यवीर सावरकर ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की आलोचना की और हिंदुओं से युद्ध प्रयासों में सक्रिय रहने और सरकार की अवज्ञा न करने को कहा। उन्होंने हिंदुओं से युद्ध की कला सीखने के लिए सशस्त्र बलों में भर्ती होने का भी आग्रह किया। अगर दो टूक कहा जाए तो सावरकर ने कभी भी अंग्रेजों से माफी नहीं मांगी थी। जिस व्यक्ति ने दस साल सेलुलर जेल की अमानवीय यातनाएं सही हों, उसके विषय में 'माफीनामा' या 'दया याचिका' की बात करना आश्चर्यजनक लगता है। वीर शब्द का उल्लेख 1923 में श्री वैशम्पायन की एक कविता में विनायक दामोदर सावरकर के लिए किया गया था।

यूपी लोकसभा चुनाव में भरेगा भाजपा की झोली

आर.के. सिन्हा

अब कुछ हफ्तों के बाद ही देश में लोकसभा चुनावों की घोषणा हो जाएगी। पर उत्तर प्रदेश (यूपी) को छोड़कर देश के लगभग सभी राज्यों की लोकसभा सीटों के लिए कांटे की टक्कर होने की संभावना है । लेकिन, उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर नतीजे कुल मिलाकर लगभग तय हैं। यह बात उत्तर प्रदेश के शिखर सियासी नेताओं से लेकर आम इंसान तक को भलीभांति यह पता हैं। कभी जंगलराज, भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार से जूझने वाला यूपी अब भारी–भरकम मोटा निवेश भी खींच रहा है। सात साल पहले तक तो यूपी की गिनती बीमारु राज्यों में होती थी, लोग मजाक में यू.पी. को उल्टा प्रदेश भी कहते थे ृ लेकिन, आज यूपी की पहचान देश के खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में भी होने लगी है। यूपी आज विकास की असीमित संभावनाओं के प्रदेश के रूप में स्थापित हो चुका है। यूपी देश की जीडीपी में हिस्सेदारी के मामले में महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश दूसरे अब नंबर पर है। देश में सर्वाधिक जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों की संख्या के मामले में भी आज यूपी अव्वल है। राज्य में डिजिटल लेनदेन में एक साल में तीन गुना की बढ़ोत्तरी हुई है। यही नहीं राज्य में डीमैट खातों की संख्या में भी सकारात्मक बढ़ोत्तरी हुई है। आज अगर यूपी में चौतरफा विकास हो रहा है, तो इसका मुख्य श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ही जाता है। देश की यूपी की सियासी अहमियत निर्विवाद है। यहां पर भाजपा का प्रदर्शन लगातार सुधर ही रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी जीत को दोहराया ही नहीं है, वह लगातार विपक्ष की राजनीतिक जमीन को कमजोर भी कर रही है। कभी मंडल और कमंडल की राजनीति का गढ़ रहा यह प्रदेश मंदिर का घंटा और सख्त कानून व्यवस्था का डंडा एक साथ बजा रहा है। यूपी में आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्ष के लिए कोई बहुत अवसर नहीं हैं। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में यूपी भाजपा का अभेद्य किला बनकर उभरा है । 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सूबे की 80 में से 64 सीटें अकेले दम पर जीत ली थीं। इसी तरह वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने अकेले दम पर कुल उत्तर प्रदेश विधान सभा की 403 सीटों में से 225 सीटें जीत कर उत्तर प्रदेश की सत्ता में धमाकेदार वापसी की। अपने सहयोगियों के साथ भाजपा की सीटों का आंकड़ा 272 तक पहुंच गया। इस जीत ने योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को एक प्रकार से प्रतिष्ठित कर दिया। बेशक अब लोकसभा चुनाव में भी यूपी भरेगा भाजपा की झोली। योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में यूपी का नया फुल फॉर्म भी बताया। वे कहते हैं कि यूपी का मतलब है अनलिमिटेड पोटेंशियल। बीते दिनों ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2024 के ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान मुख्यमंत्री योगी के अलावा पीएम मोदी भी लखनऊ में थे। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने कहा, देश और दुनिया के उद्योग जगत ने हम पर और हमारी नीतियों पर विश्वास जताया। उत्तर प्रदेश को अबतक लगभग 40 लाख करोड़ के निवेश प्राप्त हो चुके हैं और आते ही चले जा रहे हैं । इन्ही प्रयासों को धरातल पर उतारने का आज उत्सव है। नया उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश से अब उद्यम प्रदेश बनकर भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित उत्तर प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। पिछले 7 वर्षों में यूपी में निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए हैं। यूपी पर नजर रखने वालों को पता है कि राज्य में निवेश तो आ ही रहा है। साथ ही सरकार की तरफ से यह भी कोशिशें हो रही हैं ताकि कभी अपनी कपड़ा मिलों और मजदूरों के लिए मशहूर रहे कानपुर को फिर से उसका पुराना गौरव मिल जाए। कानपुर में आईटी सेक्टर के अलावा इलेक्ट्रानिक सामान और आटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े उत्पादों का उत्पादन करने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। कानपुर से देश के उत्तर, पूर्व तथा पश्चिम राज्यों के बाजारों में पहुंचने की सुविधा है। कानपुर में आटो और आटो पार्ट्स की अनेक इकाइयां खड़ी हो सकती हैं। चूंकि राज्य सरकार अपने यहां आने वाले निवेशकों को टैक्स में भी छूट दे रही है, इसलिए कानपुर में निजी क्षेत्र के निवेश का होना तय है। गुस्ताखी माफ, कुछ साल पहले तक किसने सोचा था कि यूपी खेलों के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने लगेगा। जरा याद करें चीन के हांगझोऊ शहर में हुए एशियाई खेलों को। भारत के पदकों का शतक पूरा कराने में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा है।एशिघ्याई खेलों के महाकुंभ में पहली बार यूपी से कुल 36 एथलीटों ने अपनी चमक दिखाई। इन खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण, आठ रजत और आठ कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह पहला मौका था जब यूपी के खिघ्लाड़ियों की झोली में इतने सारे पदक आए हों। इससे पहले 2018 के जकार्ता और 2014 के इंचियॉन (दक्षि घ्ण कोरिया) में उत्तर प्रदेश के खिघ्लाड़ियों ने 11–11 पदक ही जीते थे। उत्तर प्रदेश की खेल राजधानी के नाम से प्रसिद्ध मेरठ जिले के खिलाड़ियों ने सबसे चौंकाने वाला प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 13 एथलीटों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। इनमें से छह मेरठ जिले से हैं और चार ने दो स्वर्ण सहित पांच पदक जीते हैं। बेशक, खेलों में यूपी के बढ़ते कदम साफ संकेत हैं कि राज्य को अब विकास का रास्ता मिल गया है। जिस राज्य में खेलों का स्तर सुधर रहा है,समझ लें कि उस राज्य का विकास हो रहा है। जिस यूपी से कुछ साल पहले तक कोई सुकून भरी खबर आती ही नहीं थी वहां से सकारात्मक खबरों का आना सुखद है। यूपी से अब दंगा–फसाद या गैंग वार की खबरें नहीं आती। अब वहां के सरकारी दफ्तरों में काहिल बाबुओं के लिए कोई जगह नहीं बची है। यूपी की विकास यात्रा से पड़ोसी बिहार को भी सबक लेना होगा। तो अगर यूपी बदल रहा है तो साफ है कि वहां की जनता के चेहरे पर खुशी को पढ़ा जा सकता है। इस बदलाव के पीछे योगी आदित्यनाथ का कुशल नेतृत्व है। बदलता–आगे बढ़ता यूपी अपना फैसला लोकसभा चुनाव के वक्त दे देगा। हालांकि उस नतीजे का सबको पता है।

काले धन को अपराधमुक्त करना

आदित्य

चुनावी बांड को बढ़ावा देने के भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के जोरदार प्रयासों ने भीतर के घोर पाखंड को उजागर कर दिया है। भाजपा, जिसने काले धन को उजागर करने के लिए विनाशकारी विमुद्रीकरण लागू किया था, इसके विपरीत, चुनावी बांड के माध्यम से काले धन को वैधता प्रदान करने का प्रयास कर रही है। जैसा कि सत्ताधारी दल मांग कर रहा है, दाताओंध्संस्थाओंध्कंपनियोंध्संस्थाओं की पहचान का खुलासा न करने से काले धन के निर्बाध संचय के द्वार खुल जाएंगे और दानदाताओं और राजनीतिक दलों के बीच बदले में संबंध स्थापित हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को काले धन को मंजूरी देने के सत्तारूढ़ दल के प्रयासों को विफल कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ का सर्वसम्मत फैसला सुनाते हुए कहा, "सूचना के अधिकार के विस्तार का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह केवल राज्य के मामलों तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें सहभागी लोकतंत्र के लिए आवश्यक जानकारी भी शामिल है। काले धन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सूचना के अधिकार का उल्लंघन उचित नहीं है।" इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इस फैसले पर न केवल भाजपा बल्कि बिना किसी अपवाद के सभी पार्टियों ने पूरी तरह से चुप्पी साध ली। यह काफी समझ में आता है, क्योंकि चुनावी बांड के माध्यम से मिलने वाले लाभों के कारण वे सभी एक ही पक्ष में थे। गुमनाम चुनावी बांड को वैध बनाने के व्यापक प्रभाव और प्रभाव होंगे, जिससे सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक आधिपत्य और अराजकता पैदा होगी। चुनावी बांड के कई खरीदार होंगे, क्योंकि यह परोपकारिता की भावना नहीं है जो दानदाताओं को प्रेरित करती है, बल्कि योगदान पर संभावित रिटर्न प्रेरित करती है। काला धन न केवल कानूनी रूप से स्वीकार्य हो गया है, बल्कि दानदाताओं को भरपूर लाभ भी पहुंचा रहा है। वे सरकारों पर निरंकुश शक्ति और प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं, अपने पक्ष में नीतियां बना सकते हैं और जोड़–तोड़ कर सकते हैं, एकाधिकार स्थापित कर सकते हैं और कठपुतली शासन को बढ़ावा दे सकते हैं। भविष्य के दृष्टिकोण से, यदि चुनावी बांड मूर्त रूप लेते हैं, तो इसका मतलब लोकतंत्र के लिए पर्दा हो सकता है। उदाहरण के लिए, हम एक ऐसे परिदृश्य की कल्पना कर सकते हैं जिसमें गुमनामी और काले धन के गैर–अपराधीकरण से वित्तीय और राजनीतिक अराजकता पैदा हो सकती है। इससे सत्ता में बैठे लोगों की श्सद्भावनाश हासिल करने के लिए काले धन वाले लोगों के बीच प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धा शुरू हो जाएगी। चुनावी बांड के उच्चतम बोली लगाने वालोंध्लेने वालों को समायोजित करने के लिए नीतियां तैयार की जाएंगी। इसके अलावा, चुनावी बांड के सबसे अधिक बोली लगाने वालों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी परियोजनाओं का निजीकरण किया जाएगा। परियोजना नीलामी प्रक्रिया में सबसे कम बोली लगाने वालों को नहीं, बल्कि उन लोगों को दी जाएगी जिनके पास उच्च मूल्य वाले चुनावी बांड होंगे। इस तथ्य के अलावा कि राजनीतिक दलों और दानदाताओं को ऑडिट जांच से बचाने के प्रयासों में संदिग्ध और भ्रामक इरादे की बू आती है, सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनियों के परिप्रेक्ष्य से देखने पर चुनावी बांड में गुमनामी की अवैधता स्पष्ट हो जाती है। इस मामले में, प्रत्येक लेनदेन का ऑडिट करना और शेयरधारकों के साथ साझा करना अनिवार्य है। क्या चुनावी बांड पर खर्च सूचीबद्ध कंपनी की बैलेंस शीट में दिखाई देगा? यदि हां, तो यह किस खाते के शीर्ष के अंतर्गत परिलक्षित होगा? एक और बड़ा सवाल यह है कि क्या कंपनी चुनावी बांड पर होने वाले खर्च का खुलासा करेगी।

मातृभूमि के लिए प्रवासियों का योगदान

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम, अबूधाबी में भारतीय समुदाय के द्वारा आयोजित 'अहलन मोदी' (हैलो मोदी) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस देश की मिट्टी में आपने जन्म लिया, मैं उस मिट्टी की खुशबू आपके लिए लेकर आया हूं। इस समय भारत और संयुक्त अरब अमीरात मिलकर 21वीं सदी का नया इतिहास लिख रहे हैं। आप यहां जो मेहनत कर रहे हैं, उस ऊर्जा से भारत भी आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के बढ़ते हुए सामर्थ्य ने दुनिया को भी स्थायित्व और समृद्धि की उम्मीद दी है। दुनिया को लगा है कि भारत एक भरोसेमंद ग्लोबल ऑर्डर स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। भारत ने एक बहुत ही सफल जी–20 सम्मेलन आयोजित किया है। आज दुनिया के हर बड़े मंच पर भारत की आवाज सुनी जाती है। कहीं भी संकट आता है, तो सबसे पहले पहुंचने वाले देशों में भारत का भी नाम होता है। आज का मजबूत भारत कदम–कदम पर अपने लोगों के साथ खड़ा है। बीते 10 वर्षों में जहां भी विदेशों में बसे भारतीयों को समस्या आई, भारत सरकार ने तेजी से एक्शन लिया है। यूक्रेन, सूडान, यमन और दूसरे संकटों के दौरान फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित निकाल कर भारत लाया गया है। आज भारतीय समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है। वस्तुतरू प्रवासी भारतीय भारत की नई ऊर्जावान शक्ति हैं। यूएई में करीब 35 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं और इन्होंने वर्ष 2023 में अपनी कमाई में से 20 अरब डॉलर से अधिक रेमिटेंस भारत भेजी है।

इस समय जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में ऊंचाई प्राप्त कर चुका है और आगामी पांच वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे में यूएई सहित दुनियाभर के प्रवासी भारतीय अपनी मातृभूमि के लिए अधिक तत्परता के साथ योगदान देने के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक के द्वारा जारी 'माइग्रेशन एंड डेवलमपेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक विदेश में कमाई करके अपने देश में धन भेजने के मामले में वर्ष 2023 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023 में प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। टॉप–5 रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डालर), चीन (50 अरब डालर), फिलीपींस (40 अरब डालर) और मिस्त्र (24 अरब डालर) शामिल हैं। रिपोर्ट से यह बात भी उभरकर सामने आई है कि पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दुनिया के भारतीय समुदाय के विभिन्न सभी वर्गों के द्वारा भारत के विकास के लिए योगदान दिया जा रहा है। प्रवासी भारतीयों का सबसे बड़ा डायस्पोरा है जिसकी संख्या लगभग 3.2 करोड़ है। मोटे तौर पर प्रवासी भारतीयों में भारतवंशी (पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन), नॉन रेसीडेंट इंडियन (एनआरआई) और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में भारतीय एनआरआई की संख्या करीब 1.34 करोड़ है और ये भारत में अपने संबंधित क्षेत्र में मतदान के पात्र हैं। सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय अमेरिका में रहते हैं। अमेरिका में विभिन्न प्रवासी समूहों में सबसे अधिक आय भारतीयों की है। भारतीय मूल के लोग अमेरिकी आबादी का एक प्रतिशत से थोड़ा अधिक हैं, वे संयुक्त राज्य अमेरिका के कर खजाने का 6 प्रतिशत हिस्सा हैं।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने–कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं। दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने–अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ–साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत को विकास की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए भारत हितैषी संगठन काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की जी–20 की अध्यक्षता और विगत 9–10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी–20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन 'इंडियास्पोरा' का अभूतपूर्व योगदान रहा है।

इंडियास्पोरा भारत के विकास में अहम योगदान देने के उद्देश्य से वर्ष 2012 में अमेरिका में स्थापित एक ऐसी गैर–लाभकारी संस्था है, जो करीब 20 देशों में सक्रिय रूप से मजबूती के साथ काम कर रही है। यह संगठन दुनियाभर के विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों के लिए भी प्रेरणादायी बन गया है। इस संगठन का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भारत के बढ़ाए गए गौरव और प्रवासी भारतीयों के लिए किए गए विशेष प्रयासों से भारतवंशियों तथा प्रवासियों का भारत के लिए सहयोग और स्नेह लगातार बढ़ा है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्री साईं तेजा सीलम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने एएनएम को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह को दिए। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में दिव्यांग बच्चो का इलाज कराए जाने हेतु जनपद स्तर पर स्क्रीनिंग किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, जिससे स्क्रीनिंग के उपरांत उनका समुचित इलाज कराया जा सके। उन्होंने निर्देश किया कि जिन भी ब्लॉक अकाउंट मैनेजर द्वारा कार्य करने में शिथिलता बरती जा रही है उनका वेतन रोक दिया जाए। जननी सुरक्षा योजना के तहत प्रसूताओं को प्रेरणा कैंटीन से शत–प्रतिशत लाभार्थियों को भोजन देने के निर्देश दिए। टेली कंसल्टेंसी, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त एमओआईसी प्रगति लाये। समीक्षा के दौराना आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान की प्रगति संतोषजनक पाई गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में जल जीवन योजना के तहत कनेक्शन ले लिए जाए। महाराजगंज में ब्लॉक लेवल निरीक्षण कम पाए जाने पर उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि अन्य कार्मिकों को संबद्ध कर उक्त कार्य को शीघ्र पूर्ण कराए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, समस्त एमओआईसी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

‘मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 82 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे’

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मंगलवार को कूरेभार ब्लॉक परिसर में सामूहिक

विवाह का आयोजन किया गया। जहां ब्लाक परिसर में बने एक ही मंडप में 82 जोड़ों ने एक–दूसरे के साथ जीने की कसमें खाई।इस शादी योजना में मुस्लिम जोड़ों की संख्या जीरो थी।ब्लॉक परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि नवनीत सिंह सोनू सिंह ने नवविवाहित जोड़ों पर फूलों की वर्षा करते हुए सुखद जीवन की मंगलकामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रथम तीन जोड़ों को प्रमुख प्रतिनिधि सोनू सिंह,बीडीओ श्रीकांत मिश्र और,जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित सिंह द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया और शेष नवविवाहित जोड़ो को प्रमाण पत्रों का वितरण करा दिया गया।इस कार्यक्रम में मौके पर जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित सिंह, एडीओ समाज कल्याण मुदित कुमार,एडीओ समाज कल्याण दूबेपुर विपिन कुमार, मनोज सिंह प्रधानप्रतिनिधि सलीमपुर ग्रेट, अमर सिंह प्रधानप्रतिनिधि इरुल राघवपुर, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

डा. सुधीर उपाध्याय की पुस्तक का हुआ विमोचन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पर्यावरण विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.

सुधीर उपाध्याय की पर्यावरण पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने बुधवार को किया। पुस्तक विमोचन के अवसर पर कुलपति के साथ–साथ छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर अजय द्विवेदी, विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश शर्मा आदि उपस्थित रहे। डॉ. उपाध्याय की यह पुस्तक मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिए नैनो–बायोफोर्टिफिकेशन पर है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर, स्विट्जरलैंड ने प्रकाशित किया है। यह पुस्तक पौधों और मानव स्वास्थ्य के लिए पोषक तत्वों के महत्व का वर्णन करती है। फसलों के बायोफोर्टिफिकेशन के लिए नैनोटेक्नोलॉजी का उपयोग कैसे किया जा सकता है एवं प्रदूषित मिट्टी में नैनोटेक्नोलॉजी के विषैले प्रभावों से संबंधित समस्या को पुस्तक में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। विदित है कि डॉ. उपाध्याय के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च कोटि के शोध हमेशा प्रकाशित होते रहते है। आने वाले समय में डॉ. उपाध्याय की तीन और पुस्तकें प्रकाशित होने वाली है, जिनका अनुबंध अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक, एलेसेविएर, विएले एवं टेलर एंड फ्रांसिस से हुआ है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह एवं संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो राजेश शर्मा ने डॉ. सुधीर उपाध्याय को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पायनियर माण्टेसरी इंटर कॉलेज की एल्डिको शाखा में आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों को विज्ञान का महत्व समझाने तथा उनमें विज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्या श्रीमती शर्मिला सिंह, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं मां शारदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के अनुभवी भौतिक विज्ञान के शिक्षक श्री ओ पी तिवारी जी ने महान वैज्ञानिक श्री सी वी रमन के प्रेरक जीवन तथा उनकी महानतम वैज्ञानिक खोज ‘रमन प्रभाव’ के बारे में अपने विस्तृत व्याख्यान में बताया।

इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता तथा कक्षा नवम एवं एकादश के विद्यार्थियों ने अपने प्रभावी भाषणों के माध्यम से विज्ञान के महत्व एवं सी०वी० रमन के वैज्ञानिक योगदान के बारे में अपने ज्ञान एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अंशिका सिंह को प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार नंदनी यादव तथा तृतीय पुरस्कार कशिश सिंह एवं अभिषेक द्विवेदी को दिया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में कक्षा एक की संध्या शर्मा को प्रथम पुरस्कार

प्रदान किया गया ।जबकि दिव्यांशी को द्वितीय एवं सुमीक्षा चौरसिया को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा द्वितीय के आयुष रावत को प्रथम पुरस्कार दिया गया जबकि यश रावत एवं अविका सिंह को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा तृतीय की तान्या रावत प्रथम विजेता रही जबकि शुभी नवम एवं अरण्या दीक्षित को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। देवव्रत शुक्ला को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा 4 में प्रथम विजेता शालू रही जबकि द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः नव्या एवं अथर्व चतुर्वेदी ने प्राप्त किया। कक्षा 5 की प्रशंसा तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि राधा प्रजापति एवं समृद्धि वर्मा ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। तन्वी कनौजिया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा 6 में देवांश गुप्ता को प्रथम पुरस्कार दिया गया जबकि शानवी मिश्रा को द्वितीय एवं रोशनी कनौजिया को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्नति चक्रवर्ती को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कक्षा 7 की अनुष्का सोनकर को प्रथम पुरस्कार देवांशी गुप्ता को द्वितीय एवं अन्न्या को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया ।विराट चौधरी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।कक्षा 8 के यश रावत को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार शिवान्या जोशी को एवं तृतीय पुरस्कार उत्कर्ष कश्यप को प्रदान किया गया। जाह्नवी खत्री को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान किए गए। विद्यार्थियों को विज्ञान की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या श्रीमती शर्मिला सिंह ने बताया कि विज्ञान हमारे दैनिक जीवन से अटूट रूप से जुड़ा है तथा हमारे जीवन का आधार है।

सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

केला की खेती विषयक सफलता की कहानी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन द्वारा विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का संचालन इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि इससे जरुरतमंद, पात्र एवं वंचित व्यक्तियों को इसका लाभ मिल सके, जिससे उनका जीवन स्तर सुधर सके और उनको भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इसी क्रम में उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजना एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना से लाभान्वित भौमप्रकाश सिंह पुत्र सत्यनारायण सिंह निवासी ग्राम भरहुपुर विकास खण्ड रामनगर बताते है कि वे टिश्यू कल्चर केला की खेती करने से पहले परम्परागत ढंग से कृषि कार्य करते थे। समाचार पत्रों एवं कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी द्वारा जानकारी मिली कि उद्यान विभाग में चल रही एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना में टिश्यू कल्चर केला की खेती के लिए सुविधा उपलब्ध है, जिसमें किसान को अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है।

उन्होंने पूरी जानकारी प्राप्त कर आनलाइन पंजीयन 4.00 हे० में टिश्यू कल्चर केला रोपण हेतु कराया। तत्पश्चात स्थानीय स्तर पर केला की खेती कर रहे सहयोगी कृषक भाईयों एवं विभाग की तकनीकी ज्ञान से 4.00 हे0 क्षेत्रफल हेतु टिश्यू कल्चर केला पौध प्राप्त कर खेती की तथा पौधो की देख–रेख एवं समय–समय पर निराई गुणाई, रसायन एवं उर्वरको का प्रयोग करते रहे। फसल विपणन के पश्चात 21 से 22 लाख रु० का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। जो अन्य फसलों की तुलना में सर्वाधिक है।

उन्होंने शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया जिनके द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद के किसानों के लिए अत्यन्त लाभकारी साबित हो रही है इससे न सिर्फ किसानों की आय दोगुनी हो रही है अपितु उनके जीवन स्तर मे तेजी से सुधार हो रहा है। उन्होंने जनपद के अन्य किसानों को भी परम्परागत खेती छोड़कर इस तरह की खेती शुरू करने तथा उद्यान विभाग के द्वारा संचालित अन्य योजनाओं का भी लाभ लेने की अपील की है।

गोस्वामी श्री तुलसीदास की वास्तविक जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोण्डा को विकसित करना चाहिएरू – स्वामी भगवदाचार्य

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री तुलसी जन्मभूमि के विकास के बारे में डॉ स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा है कि आपको ज्ञात है कि श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म अयोध्या के पास गोण्डा जिले के परसपुर के पास राजापुर गाँव में हुआ था। इस विषय में अब कोई संदेह नहीं है, फिर भी कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा गोस्वामी जी का जन्म स्थान चित्रकूट के पास राजापुर गाँव में होना प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है। अभी अमर उजाला लखनऊ समाचार पत्र दिनांक 01 जनवरी 2024 को प्रकाशित खबर के अनुसार राज्य

सरकार ने चित्रकूट के पास राजापुर गाँव को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 21 करोड़ रूपये स्वीकृत कर दिये हैं तथा सरकार ने इसके लिए 4.5 करोड रूपये जारी भी कर दिये हैं।

राज्य सरकार को किसी भी स्थान को विकसित करने का पूरा अधिकार है परन्तु विश्व के सबसे बड़े संत एवं साहित्यकार की जन्मभूमि के बारे में झूठे प्रचार को बल देने से बचना चाहिए। हम उम्मीद करते हैं कि राज्य सरकार अपने निर्णय पर विचार करेगी। इस सम्बन्ध में यह भी निवेदन है कि गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि गोण्डा जिले के राजापुर में है। यह स्थान भगवान राम के जन्म स्थान अयोध्या के समीप है. इस बात की पुष्टि स्वयं गोस्वामी तुलसीदास ने किया है। उन्होंने कहा है कि ष्राजा मेरे राजाराम अवध शहर है।ष और यह भी कहा है कि ष्तुलसी तिहारो घर जायो है।ष यह स्थान अयोध्या की चौरासी कोसी परिक्रमा में भी सम्मिलित है। राज्य सरकार ने पहले भी चित्रकूट राजापुर के विकास के लिए 25 लाख रूपये मंजूर किया था, परन्तु जब क्षेत्र के लोगों ने तत्कालीन राज्यपाल श्री मोतीलाल बोरा को तथ्यों से अवगत कराया तो राज्य सरकार ने 25 लाख रूपये की मंजूरी बापस ले ली थी। इसके बाद भी सरकार ने पुनः चित्रकूट राजापुर के लिए इतनी बड़ी राशि कैसे मंजूर कर दी। सरकार को यह भी विदित होना चाहिए कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मा० श्रीपति मिश्र, पूर्व मुख्यमंत्री मा० श्री अखिलेश यादव और विधानसभा के अध्यक्ष श्री केसरीनाथ त्रिपाठी भी इस बात से सहमत थे कि गोस्वामी तुलसीदास का जन्म गोण्डा जिले के राजापुर गांव में हुआ था। अन्तर्राष्ट्रीय सिद्ध सन्त परमपूज्य श्री देवराहा बाबा ने तुलसी जन्मभूमि राजापुर बांदा को गलत प्रचार के लिए तत्कालीन लो०नि०वि० के मन्त्री मा० श्री चतर्भुज शर्मा को मना कर दिया था, यह बात उन्हीं के शिष्य जगदगुरू रामानुजाचार्य श्री पुरूषोत्तमाचार्य जी ने अयोध्या में कई बार व्यक्त किये हैं। आपके संज्ञान में लाना है कि चित्रकूट के पास राजापुर गांव का नाम विक्रमपुर था।

भारतीय समृद्धि के लिए स्वदेशी तकनीक का विकास जरूरी : प्रो. वंदना सिंह

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक पर हुई संगोष्ठी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका थीम ष विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक ष था। यह थीम सामाजिक कल्याण के लिए घरेलू तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने की देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि भारतीय समृद्धि के लिए स्वदेशी तकनीकी विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वदेशी तकनीकी उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देकर हम अपनी आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकते हैं। स्वदेशी तकनीकी उत्पादन विशेष रूप से अर्थव्यवस्था को मजबूत और स्थिर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि आज विज्ञान के बिना हमारी जिंदगी में कुछ नहीं है। साथ ही विकसित भारत का सपना पूरा करने में विज्ञान और तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है। रमन प्रभाव दिवस एक महत्वपूर्ण दिन है जो भारत के महान भौतिक वैज्ञानिक, सर चंद्रशेखर वेंकट रमन की जयंती के साथ–साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इंजीनियरिंग संस्थान के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. बीबी तिवारी ने कहा कि रमन प्रभाव समाज के लिए बहुत ही लाभकारी रहा है। उन्होंने सिग्नल के प्रभाव को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि हमें नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश और अनुसंधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, ताकि हम स्वदेशी तकनीकी विकास के क्षेत्र में मजबूत हो सकें। इस अवसर पर साउथ अफ्रीका के डॉ. सुनील चंद्रा ने कहा कि आदित्य एल–1 और एक्सपोजिट ब्रह्मांड

को समझने में मदद करेंगे। इससे हमारी तकनीक का विकास होगा। इस अवसर पर साउथ कोरिया के डॉ. विवेक शुक्ला ने कहा कि हाइड्रोजन एनर्जी पर विस्तार से प्रकाश डाला कहा कि भविष्य में प्रदूषण रहित ऊर्जा का यह मुख्य स्रोत होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में रंगोली, क्विज, क्रिएटिव पोस्टर, निबंध समेत कई प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निबंध में स्मिथ यादव, क्रिएटिव पोस्टर में साइना अफरोज और आशुतोष सिंह, क्विज में निपुण प्रजापति और वैष्णवी सिंह, एक्सटेम्पोर में रश्मि मौर्या, रंगोली में सत्यम साहु, तनिष्क साहु, अमिषा सिंह, आराध्या सिंह प्रथम स्थान पर रहे। स्वागत रज्जू भैय्या संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद यादव और संचालन डॉ. रामांशु प्रभाकर सिंह और विषय प्रवर्तन डॉ. काजल डे ने और धन्यवाद ज्ञापन ड़ॉ. धीरेंद्र चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. आलोक कुमार वर्मा, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अनु त्यागी आदि उपस्थित थीं।

व्यंगकार एकलव्य की 84वी जयंती पर विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वरिष्ठ साहित्यकार, व्यंगकार कृष्णकांत एकलव्य की 84 वी जयंती उनके रुहट्टा स्थित आवास पर एकलव्य फाउंडेशन हाल में समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उनकी याद में काव्य

गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर एन सिंह व कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अहमद निसार कवि व कार्यक्रम संयोजक सरोज श्रीवास्तव संपादक व्यंग तरंग द्वारा स्वर्गीय एकलव्य जी के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार सभाजीत द्विवेदी प्रखर ने किया । कार्यक्रम संयोजक सरोज श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया । काव्य गोष्ठी में जनपद ही नहीं अन्य जनपदों के कवियों, शायरों ने शिरकत कर अपने गीत, गजलो से कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगा दिया ।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि प्रो आर एन सिंह ने अपनी कविता ष्आज नही तो कल निकलेगा हर मुश्किल का हल निकलेगा, जीवन पथ पर बढ़ते जाओ साथ जमाना चल निकलेगाष से महफिल को सजा दिया। इसी क्रम में कवि संजय सिंह ने अपनी कविता से लोगों को काफी कुछ सीख दिया कुछ ऐसे अपने होते हैं जो सारी रात जागते हैं, आंखों में बस कर वह मेरी मुझको दिन–रात सताते हैं, वही राजेश पांडे ने ष्कैसा कंगना गढ़ाये ना भाये सजना , कैसे गुनगुनाये मन भाए सजना ष कवित्री सुमिति श्रीवास्तव ने ष्दिखे सभी मनुष्य आज रूप शैल का लिये,गयी दया विचार से कपाट होठ का सीएष से जमकर वाहवाही लूटी वही अंसार जौनपुरी ने भी ष ऐसे ही कभी आके मिला क्यों नहीं करते, रूपोश रिवाजो को रवा क्यों नहीं करते, नाराज ना हो मुझे तो एक बात कह दूं मैं, रिश्तो के तकाजों को अदा क्यों नहीं करते, से महफिल को सजाया कवि पवन दुबे ने ष्वक्त जाने कहां जा रहा है आदमी बस पिसा जा रहा, मंजिले एक हो भी तो क्या रास्तों का पता ना रहा, कवि गिरीश कुमार गिरीश ने पढ़ा कि, फिसलती पांव के नीचे जमी महसूस होती है, अभी सूखे नहीं आंसू नमी महसूस होती है जहां भी हो चले आओ, हमारे दिल की महफिलों में मुझे पल पल, तुम्हारी ही कमी महसूस होती है। अनिल उपाध्याय ने कहा सरस्वती के उपासक गौड़ था जिनके लिए द्रव्य, ऐसे थे साहित्यकार श्री कृष्णकांत ष्एकलव्यष, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अहमद निसार ने कहा बिछड़ने की कसक अब भी दिलो पर वार करती है, मिजाजो में अभी बाजार का मौसम नही आया, से लोगो को लुभाया।अंत मे उनके ज्येष्ठ पुत्र बाबा धर्म पुत्र अशोक ने सभी अतिथियों व गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त किया ।इस अवसर पर संरक्षक डॉ लालजी प्रसाद, श्याम रतन श्रीवास्तव, दयाशंकर निगम ,एस सी लाल श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार जय आनंद श्रीवास्तव , संजय अस्थाना ,दीपक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव एडीजीसी, दिलीप श्रीवास्तव एडवोकेट, आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट, मनीष श्रीवास्तव ,राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया, मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट, राजन श्रीवास्तव ,इंद्रजीत मौर्य, के के दुबे फौजी, पंकज श्रीवास्तव,सिपिन रघुवंशी सभासद,बंदेश सिंह,रमेश सोनी,डॉ संजय श्रीवास्तव,विनय श्रीवास्तव, अरुण श्रीवास्तव रामु सोनकर एडवोकेट रानू श्रीवास्तव अंबर श्रीवास्तव रामजी गुप्ता दिनेश श्रीवास्तव एडवोकेट प्रदीप श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव शरद श्रीवास्तव अनीश श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव अजय वर्मा आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

जनमानस की सेवा ही वैज्ञानिकों के अनुसंधान का उद्देश्य –डा. प्रज्ञा यादव’

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को ”राष्ट्रीय विज्ञान दिवस“ मनाया जाता है। भारत के महान वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा आज

के ही दिन रमन इफैक्ट की घोषणा की गई थी जिसके लिए उन्हें 1930 मे नोबल पुरस्कार से गौरान्वित किया गया था। इस वर्ष ”विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकियाँ“ यह थीम रखकर ”राष्ट्रीय विज्ञान दिवस“ मनाया गया।

सीएसआईआर–सीमैप मे भी ”राष्ट्रीय विज्ञान दिवस“ के अवसर पर आई.सी.एम.आर.–राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान मे वैज्ञानिक–एफ पद पर कार्यरत डॉ. प्रज्ञा डी. यादव मुख्य अतिथि और मार्गदर्शक तौर पर उपस्थित थीं। डॉ. प्रज्ञा डी. यादव जी ने अपने संभाषण में कोविड–19 में भारत द्वारा वैक्सीन के लिए किए गए प्रयास, अनुसंधान और वैश्विक पटल पर उपलब्धि पर संक्षिप्त स्वरूप मे बात रखी। उन्होने आगे उपस्थित वैज्ञानिक और शोध कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि अपने प्रयास व शोध टीम और प्रेरणास्त्रोत पर विश्वास रख के कार्य करना चाहिए। सीएसआईआर–सीमैप के निदेशक, डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने डॉ. प्रज्ञा डी. यादव का स्वागत किया तथा उपस्थित वैज्ञानिकों और क्षात्रों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकांक्षा सिंह व मुख्य अतिथि का जीवन परिचय डॉ. आभा मीणा द्वारा किया गया।

”राष्ट्रीय विज्ञान दिवस“ के अवसर पर सीएसआईआर–सीमैप द्वारा राजभाषा पत्रिका ”औष विज्ञान“ अंक–5 और हर्बल साबुन ”सिम–सुगंधा“ का विमोचन किया गया।

”राष्ट्रीय विज्ञान दिवस“ के अवसर पर सीएसआईआर–सीमैप आम जन–मानस तथा छात्रों के किए खुला रहा। लखनऊ जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों से लगभग 150 से भी अधिक छात्र–छात्राओं ने संस्थान का भ्रमण किया और सीमैप मे चल रही वैज्ञानिक गतिविधियों के बारें में वैज्ञानिकों से बातचीत की। डॉ. राम सुरेश शर्मा और डॉ. ऋषिकेश द्वारा छात्रों के भ्रमण को नियोजित प्रबंधन किया तथा डॉ. संजय कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

इस योजना से गरीब परिवार की बेटियां विवाह से वंचित नही रहेगी - रजनी तिवारी

वैवाहिक जीवन खुशहाल एवं शान्तिमय रखने हेतु एक दूसरों को समझना बहुत जरूरी–डीएम

जनपद के मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु अधिक से अधिक मतदान करें:–मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)आज जिला समाज कल्याण द्वारा संचालित एवं जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय सीएसएन, पीजी कालेज में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मा0 राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी एवं वरिष्ठ अतिथि मा0 सासंद जय प्रकाश रावत ने संयुक्त रूप से गणेश पूजन तथा दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद देते हुए मा0 मंत्री ने कहा कि आप सबका जीवन खुशहाल हो और वैवाहिक जीवन आनन्द पूर्व व्यतीत हो। भव्य, सकुशल एवं पारर्दशी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न कराने पर मा0 मंत्री ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह तथा उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि जिलाधिकारी के प्रयास से जनपद में सर्वाधिक मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत नव युवक–युवतियों के विवाह कराये गये है। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की इस योजना से किसी भी गरीब परिवार की बेटी अब विवाह से वंचित नही रहेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन तथा मा0 सांसद ने भी नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद दिया और उनके मंगलमय जीवन की कामना करते हुए प्रदेश एवं भारत सरकार की योजनाओं से लोगों को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आये मा0 मुख्य एवं वरिष्ठ अतिथि, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद देते हुए कहा कि वैवाहिक जीवन खुशहाल एवं शान्तिमय व्यतीत करने के लिए एक दूसरों को समझना बहुत जरूरी है। उन्होने नव विवाहित जोड़ों तथा उनके परिवारी जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विगत विधान सभी निर्वाचन में जनपद का मतदान प्रतिशत काफी कम रहा है, इसलिए बेहतर लोकतंत्र बनाने तथा जनपद के मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु समस्त मतदाता आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान करें। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी आदि ने नव विवाहित जोड़ों पर फूल बरसाये तथा पांच जोड़ों को वैवाहिक उपहार प्रदान किये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, नगर मजिस्ट्रेट, सभी उप जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, डीडी कृषि, तहसीलदार, बीडीओ, ब्लाक प्रमुख धर्मवीर सिंह पन्ने, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता सहित भारी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

'नत्थन बानो बाबू खां जनता महाविद्यालय में हुआ स्मार्टफोन/टेबलेट का वितरण'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली– (हरदोई)' नगर के नत्थन बानो बाबू खां जनता डिग्री कॉलेज में बुधवार को छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोनध्टेबलेट वितरित किए गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर क्षेत्रीय भाजपा नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्याम सिंह ने पहुंचकर छात्राओं को फोन वितरित करते हुए कहा कि देश का भविष्य छात्राओं के हाथ में है। केंद्र व प्रदेश की सरकारें शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही हैं। छात्र–छात्राओं को सरकार द्वारा स्मार्टफोनध्टेबलेट वितरित किए जा रहे हैं, जिससे छात्र–छात्राएं इसका उचित उपयोग कर अपनी पढ़ाई आदि में लाभ उठाएं उन्होंने कहा कि जब देश का नवयुवक पढ़ा लिखा होगा तभी देश की उन्नति संभव होती है वहीं छात्र–छात्राओं ने स्मार्टफोन पाकर उनके चेहरे खिल– उठे इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक सरताज खां, प्रधानाचार्य फुरकान खान, सोनू त्रिवेदी, मोहम्मद हसन, श्यामवीर प्रजापति, शाहनवाज खान, रफत खान, देवेंद्र कुमार, आदि लोग काफी संख्या में मौजूद रहे।

थाना स्थापित हो जाने से क्राइम अपराधों को काफी हद तक रोका जा सकता है – मंत्री

वारदात होने पर साइबर क्राइम हेल्प लाइन नम्बर–1930 पर सूचना दें – पुलिस अधीक्षक

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री जी के आदेशानुसार नव निर्मित साइबर क्राईम पुलिस थाना का लोकापर्ण राज्य मंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी ने जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावत तथा सांसद जय प्रकाश रावत के साथ फीता काट कर एवं शिलापट पट पर्दे का बटन दबाकर किया तथा साइबर क्राईम कक्ष का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर मंत्री जी ने कहा कि जनपद में साइबर क्राइम थाना स्थापित हो जाने से क्राइम अपराधों को काफी हद तक रोका जा सकता है और शीघ्रता से अपराधियों तक पहुंचा भी जायेगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि ने जनपद में साइबर थाना की स्थापना से साइबर क्राइम अपराधियों की नकेल लगेगी, इसलिए फोन पर किसी लुभावने आफसर आदि में न आये और किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल साइबर थाना से सम्पर्क करें। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र ने कहा कि जनपद में साइबर क्राइम करने वालों पर साइबर थाना से कड़ी नजर रखी जायेगी और साइबर क्राइम की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। उन्होने जनपदवासियों से कहा कि फोन पर किसी के बहकावे में न आये और किसी प्रकार की वारदात होने पर साइबर क्राइम हेल्प लाइन नम्बर–1930 पर निःशुल्क सूचना दें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि,

विधायक प्रभाष कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मा0 मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन का लाइव प्रसारण देखा।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक हलचल

बहुकोणीय मुकाबले में बसपा को सर्वाधिक संकट – मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

वर्ष –2024 के लोकसभा चुनावों का शंखनाद बस होने ही वाला है। सीटों की संख्या की दृष्टि से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सभी दल अधिकतम सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे रहे हैं। इस लक्ष्य को साधने के लिए प्रदेश में विपक्ष का इंडी गठबंधन बनकर तैयार हो गया है जिसमें समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का काफी ना– नुकुर के बाद तालमेल हो गया है। भारतीय जनता पार्टी रामलहर व विकास की लहर पर सवार होकर सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करने की बात कह रही है और हर सीट पर केवल जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट देने का निर्णय कर चुकी है।वहीं बसपा अभी तक अकेले ही चुनावी मैदान में उतरने की बात कह रही है किंतु उसके सामने सबसे बड़ी समस्या टिकाऊ व जिताऊ उम्मीदवारों का न होना है। बसपा नेत्री मायावती को अब अपने ही सांसदों पर भरोसा नहीं रह गया है और कहा जा रहा है कि वह अपने सभी 10 सांसदो के टिकट काटने जा रही है ऐसे में टिकट कटने के भय व अपनी राजनीति को सुधारने की दृष्टि से कई सांसद पाला बदलने की तैयारी में लग गये हैं और कुछ ने पाला बदल भी लिया है।

त्रिकोणीय संघर्ष में मायावती के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपना पिछला प्रदर्शन बचाकर रखना है। विगत 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा को सपा रालोद गठबंधन के साथ लड़ने के कारण 10 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई थीं किंतु अब समीकरण और गठबंधन दोनों ही काफी बदल गए हैं। बसपा सांसद एक के बाद एक मायावती का साथ छोड़कर जा रहे हैं।

यह भी सुनने में आ रहा है कि बसपा के कई वर्तमान व पूर्व सांसद भाजपा व कांग्रेस के साथ संपर्क बनाकर चल रहे हैं। अभी तक बसपा के जो सांसद पाला बदल चुके हैं उनमें जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी सपा में जा चुके है जबकि बसपा का एक और चर्चित मुस्लिम चेहरा दानिश अली कांग्रेस में जा चुके हैं तथा एक और सांसद श्याम सिंह पहले यह भारतीय जनता पार्टी के साथ संपर्क में थे किंतु टिकट पक्का न हो पाने के कारण कांग्रेस में चले गये हैं। बसपा को सबसे बड़ा झटका दिया है उसके एकमात्र ब्राहण सांसद रितेश पाण्डेय ने जो अब भारतय जतना पार्टी के साथ चले गये है और इस बात की प्रबल संभावना है कि उन्हें भाजपा से टिकट मिल सकता।

बसपा सांसद रितेश पाण्डेय उन सांसदों के समूह में भी शामिल थे जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र के दौरान भोज पर बुलाया था।अंबेडकरनगर से बसपा सांसद रितेश पाण्डेय ने पार्टी पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए बसपा से इस्तीफा दिया और उसी दिन कुछ ही क्षणों के बाद भाजपा में षामिल हो गये। रितेश पाण्डेय ने 2019 के लोकसभा चुनावों में योगी सरकार के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा को हराया था और यह 2017 अंबेडकरनगर लोकसभा सीट के अंतर्गत जलालपुर विधानसभा सीट से विधायक भी बने थे। 2009 से 14 तक इनके पिता राकेश पाण्डेय भी बसपा के सांसद रह चुके हैं और इस परिवार का क्षेत्र में काफी गहरा प्रभाव माना जाता है। रितेश पाण्डेय बसपा के सबसे पढ़े लिखे सांसद थे। उन्होंने 2005 में लंदन के यूरोपियन बिजनेस स्कूल से इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। रितेश ने ब्रितानी युवती कैथरीना से प्रेम विवाह कर अपना घर बसाया है।सांसद बनने के बाद मायावती ने 2020 में लोकसभा में दल का नेत भी बनाया था इसके बावजूद उनका कहना है कि बसपा में उनकी उपेक्षा की जा रही है जबकि एक बड़ी सत्यता यह भी है कि चूंकि वह बसपा से अंबेडकरनगर के सांसद थे और अपनी व जनमानस की इच्छाओं के अनुरूप अपने क्षेत्र का विकास नहीं कर पा रह थे और आगामी लोकसभा चुनावों में रामलहर के कारण अपनी पराजय भी स्पष्ट रूप से समझ रहे थे क्योंकि जिस प्रकार बहिन मायावती ने श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया उसके कारण उनकी बची–खुची लोकप्रियता का किला भी ध्वस्त हो गया । बसपा सांसदों को यह भी पता है कि इस बार उन्हें सपा काडर का वोट नहीं मिलने जा रहा है। लाभार्थी योजनाओं के कारण भरतीय जनता पार्टी ने अब बसपा के असली वोटबैंक जाटव और दलित समाज तथा पसमांदा समाज के वोटबैंक में सेंध लगाने के लिए कमर कस ली है।

बसपा की एक और संसद संगीता आजाद भी भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में बनीं हुई हैं। इसी प्रकार कई अन्य बसपा नेता भी भाजपा के सपर्क में बताये जा रहे हैं। इस बीच यह भी खबर है कि बसपा के मुस्लिम सांसद गुडडू जमाली सपा के साथ संपर्क में हैं। बसपा के समक्ष उसकी सबसे बड़ी समस्या है कि उसके पास अपने गिरते ग्राफ को सुधारने के लिए कोई होनहार नेता नहीं है। बसपा को उत्तर प्रदेश में वर्ष 2007 में 30 प्रतिशम मत मिले थे जबकि 2022 के विधानसभा चुनावों में मात्र 12 प्रतिशत मत मिल और केवल एक विधायक ही विधानसभा में पहुंच सका। बहिन मायावती जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बनी तब उनकी सरकार में घोटालों की बाढ़ आयी हुई थी और मुस्लिम तुष्टिकरण भी चरम सीमा पर रहता था।मायावती के कई बाहुबली विधायकों पर महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध करने के आरोप भी लगे। इनके कारनामों के कारण 2014 में बसपा को एक सीट भी नहीं मिली।

बसपा नेत्री मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपनी पार्टी का नया उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है किंतु उनकी पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता उनके इस निर्णय को पूरी तरह से पचा नहीं पा रहे हैं और अभी उनकी इतनी पकड़ भी प्रदेश की रानजीति में नहीं है। बसपा नेता मायावती सदा भ्रम में रहती हैं और कभी भी स्पष्ट विचारों वाली राजनीति नहीं कर पा रही हैं।हालांकि वह महिलाओं, दलितों व अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर आरक्षण के नाम पर हमलावर रहती हैं लेकिन अब उनमें अपील नहीं बची है हालांकि जाटव समाज का एक बड़ा तबका आज भी मायावती को ही अपनी पहली पसंद बताता है। मायावती राजनैतिक भ्रम का शिकार हैं। कभी ब्राहमणों पर हो रहे अत्याचार को मुददा बनाकर चुनावी मैदान में उतर जाती हैं जब वह चुनाव नहीं जीत पाती तब वह ब्राहमण समाज को भूल जाती हैं।उनकी राजनीति की सबसे बड़ी समस्या मुस्लिम समाज का वोटबैंक भी हैं दरअसल यह वही मायावती हैं जिन्होंने विगत विधनसभा चुनावों में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण को पैनी धार देने के लिए मुस्लिम समाज से अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनवाने का वादा किया था और एक 50 पृष्ठों की एक बुकलेट प्रकाशित करवायी थी। बसपा की वेबसाइट पर आज भी हिंदू सनातन विरोधी बयानों को देखा जा सकता है। बसपा का मूल विचार हिंदू सनतान विरोधी है और यह लोग हिंदू देवी देवताओं का घोर अपमान करते हैं तथा दूर दराज के गांवों में बसपा कार्यकर्ता जाटव व अन्य दलित समाज को भड़काते रहते है। बसपा कभी तिलक, तराजू और तलवार के खिलाफ नारा लगाती है और फिर अपनी जमीन को सुधारने के लिए 2022 के विधानसभा चुनावों में जयश्रीराम भी बोलती हैं । देश का जनमानस इन मायावी नेताओ को अच्छी तरह से समझ चुका है। बसपा ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार करके अपना राजनैतिक अंत कर लिया है और यही कारण है कि बसपा के अच्छे सांसद व नेता अब अपना राजनैतिक भविष्य सुधारने की तैयारी करने के लिए पार्टी छोड़कर जा रहे हैं।

एयरटेल डिजिटल टीवी द्वारा सीएमईपीएल के साथ भारत के पहले एनीमे मनोरंजन चौनल– एनीमे बूथ का शुभारंभ

यह खास वीएएस चौनल एनीमे के चाहने वालों को विविध खंडों में निर्बाध एनीमे सामग्री प्रस्तुत करता है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत में संचार क्षेत्र की प्रमुख समाधान प्रदाता भारती एयरटेल (ष्एयरटेलष्), एनीमे बूथ जो कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (ष्सीएमईपीएलष्) की एक रैखिक सेवा है, को भारतीय दर्शकों के लिए हिंदी में उपलब्धता की शुरुआत के साथ भारत में एनीमे दर्शन में क्रांति लाने के लिए तैयार है। निर्बाध एनीमे सामग्री देखने के लिए डिजाइन किया गया, एनीमे बूथ उत्साही एनीमे प्रशंसकों की मांग को पूरा करने के लिए एक भाव विभोर करने वाला और विज्ञापन–मुक्त अनुभव प्रदान करेगा यह सेवा एयरटेल की एयरटेल डिजिटल टीवी और एयरटेल एक्सस्ट्रीम टीवी सहित डीटीएच सेवाओं के माध्यम से मात्र 1.8 रुपये प्रतिदिन के सब्स्क्रिप्शन शुल्क पर प्राप्य होगी और एक ऐसा किफायती और सुलभ मंच प्रदान करेगी जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता बिना किसी रुकावट के अपनी पसंदीदा एनीमे सिरीज का आनंद उठा सकेंगे। इस विशिष्ट एनीमे चौनल में एक निरंतर विस्तारित एनीमे सामग्री भंडार होगा जिसमें समय–समय पर नई एनीमे सिरीज जोड़ी जाती रहेंगी। एयरटेल डिजिटल टीवी के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने इस सहकार पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्हम एनीमे बूथ, जो सोनी के साथ एक अभूतपूर्व सहकार को दर्शाता है और और हमारे सम्मानित ग्राहकों को अभिनव और चित्ताकर्षक सामग्री उपलब्ध प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, का अनावरण करते हुए रोमांचित हैं। एनीमे बूथ भारत में एनीमे देखने के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी प्रगति का प्रतीक है, जो एक विशेष, विज्ञापन–मुक्त मंच प्रदान करता है जो मनोरंजन के दर्शकों के अनुभव संवर्धन संवर्धन की हमारी निष्ठा को रेखांकित करता है। और दूसरी तरफ, सोनी वाईएवाई, (सीएमईपीएल) के बिजनेस प्रमुख लीना लेले दत्ता का कहना था कि ऐसी दुनिया में जहां रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं है और मनोरंजन के क्षेत्र में तेजी से नवाचार के माध्यम से उद्भव होता है, एनीमे ने विश्व भर में दर्शकों को मोहित कर लिया है और भारत में इसकी लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, हम एयरटेल के सहकार से एनीमे बूथ पेश कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य भारत के उत्साही प्रशंसकों के लिए एनीमे देखने के अनुभव को पूरी तरह से बदलना और उच्च स्तरीय बनाना है। यह सहकार सीएमईपीएल और एयरटेल द्वारा अपने व्यापक श्रेणीगत ग्राहकों के लिए अभिनव और विविध सामग्री प्रस्तुत करने का अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान(बीएसआईपी), लखनऊ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ ने आज 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आईटी कॉलेज, लखनऊय अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं टेक्नो इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज, लखनऊ से लगभग 80 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने पुराविज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम विकास को सीखने और अनुभव करने के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों और अनुसंधान विद्वानों के साथ बातचीत करने के लिए संग्रहालय और विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया। निदेशक, डॉ. महेश जी. ठक्कर ने छात्रों में उत्साह जगाने के लिए स्वागत और उत्साहपूर्ण भाषण के साथ समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने हमारे समाज के विकास में प्रख्यात वैज्ञानिकों की भूमिका पर जोर दिया और छात्रों से अपने भीतर नवीन विचारों को विकसित करने का अनुरोध किया। आईटी कॉलेज के डॉ. पॉल मैथ्यूज ने कहा, ष्विज्ञान हर किसी के लिए हैष्। इस नोट पर, उन्होंने पृथ्वी के विकास में जीवाश्म पौधों के महत्व के बारे में अपने विचार साझा किए और बाद में प्रसिद्ध अफ्रीकी मान्यता उबंटू पर जोर दिया, जिसका अर्थ है मैं अस्तित्व में हूं क्योंकि दुनिया मौजूद हैश जिसका अर्थ है कि हमारे आसपास का वातावरण हमारे अस्तित्व की रक्षा हेतु बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके उपरांत वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. रतन कर और डॉ. एस. सुरेश कुमार पिल्लई द्वारा श्भारतीय आर्कटिक अभियान और श्पृथ्वी के इतिहास को जानने में

जीवाश्मों की भूमिकाश विषय पर दो महत्वपूर्ण लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान दिए। डॉ. रतन कर ने आर्कटिक की अपनी यात्रा और माइक्रोफॉसिल्स पर आधारित उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण शोध की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत कीं। डॉ. पिल्लई जीवाश्म अध्ययन की मूल बातें और पृथ्वी के इतिहास को जानने में उनके निहितार्थ को दर्शाते हैं। इसके अलावा, उन्होंने भारत में भू–विरासत स्थलों की सुरक्षा करके जीवाश्म के संरक्षण के बारे में बताया। डॉ. संजय सिंह, संग्रहालय निरीक्षक एवं तकनीकी अधिकारी ने बीएसआईपी संग्रहालय में मौजूद विभिन्न जीवाश्मों के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया। डॉ. अनिल के. पोखरिया, डॉ. बिनीता फर्तियाल, डॉ. हुकम सिंह, डॉ. अंजलि त्रिवेदी, डॉ. स्वाति त्रिपाठी, डॉ. गौरव श्रीवास्तव, डॉ. रणवीर सिंह नेगी और अन्य वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारियों और अनुसंधान विद्वानों ने विभिन्न छात्रों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। बीएसआईपी के एसीएसआईआर विज्ञान क्लब ने भी संस्थान के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। एसीएसआईआर पीएच.डी. विद्वानों ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विभिन्न कॉलेजों के छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किया। डॉ. नेगी ने इस आयोजन को सफल बनाने वाले सभी प्रतिभागियों और छात्रों को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस पनुन कश्मीर संस्थान द्वारा मनाया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह

राजधानी लखनऊ के महानगर स्थित चंद्रशेखर आजाद पार्क मे आज चंद्रशेखर आजाद जी की पुण्यतिथि पर पनुन कश्मीर संस्थान के लोगो ने शहीद आजाद जी को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर स्थानीय लोगो सहित संस्था के अनेको कार्यकर्त्ता और लोग शामिल हुये। जिन्होंने शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की मूर्ति पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण कर मोमबत्ती जलायी और उन्हें याद किया। वही संस्था के पनुन जी ने कहा की आज की पीढ़ी को इसके बारे मे जानने की जरुरत है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एस के डी एकेडमी में वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एस के डी एकेडमी में आज वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह ने महान भौतिक शास्त्री श्री सी वी रमण की तस्वीर पर माल्यार्पण किया. इस अवसर पर छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि श्री सी वी रमण उस महान भारतीय परंपरा का हिस्सा थे जिसने सम्पूर्ण विश्व को तार्किक शक्ति एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिया. उन्होंने आगे कहा कि विश्व के कल्याण के लिए आज सभी क्षेत्रों में रिसर्च एंड डेवलपमेंट की अपार संभावनाएं हैं. तेजी से बदलती दुनिया में विज्ञान मानव जाति के लिए किस प्रकार लाभप्रद हो सकता है, इस विचार पर चिंतन करके नवाचार की दिशा में नित्य नए प्रयास करने की आवश्यकता है. इस अवसर समूह की सह निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा और एस के डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी की प्रधानाचार्या प्रो आरती सिंह ने "प्दकपहमदवने ज्मबीदवसवहपमे वित टपोपज ठींतंज" विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किये. इस अवसर पर डा० अंशुल पन्त, डा० मंजरी शुक्ला, श्रीमती रोशनी यादव समेत

डिग्री कॉलेज के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।